TITLE CODE:- UPHIN51504

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 232
दि. 23.12.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

लखनऊ में पीएम मोदी के दौरे से पहले यूपी बीजेपी की बड़ी बैठक, सीएम योगी समेत कई नेता रहे मौजूद

(एजेंसी)।

लखनऊ में पीएम मोदी के 25 दिसंबर के कार्यक्रम को लेकर इखढ कार्यालय में अहम बैठक हुई. इस बैठक में सीएम योगी, प्रदेश अध्यक्ष और दोनों डिप्टी सीएम शामिल रहे., जहां संगठनात्मक रणनीति पर चर्चा हुई. लखनऊ में पीएम मोदी के दौरे से पहले यूपी बीजेपी की बड़ी बैठक, सीएम योगी समेत कई नेता रहे मौजूद

लखनऊ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी कार्यक्रम को लेकर इखढ कार्यालय में आज 21 दिसंबर को एक अहम बैठक हुई. इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक मौजूद रहे. बैठक का उद्देश्य 25 दिसंबर को प्रधानमंत्री मोदी के लखनऊ आगमन और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा करना था.

25 दिसंबर को लखनऊ में होंगे पीएम मोदी

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के 25 दिसंबर के लखनऊ दौरे को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रदेश आगमन की तैयारियों के लिए यह बैठक की गई है, ताकि कार्यक्रम ऐतिहासिक और सफल हो. उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने स्पष्ट किया कि बैठक का

एकमात्र उद्देश्य अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर होने वाली रैली की रूपरेखा तय करना था, जिसमें प्रधानमंत्री स्वयं शामिल होंगे.

मतदाता सूची शुद्धिकरण और रक्क पर बीजेपी का रुख

बैठक में मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान और रक्कप्रक्रिया पर भी विस्तार से चर्चा हुई. उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि घुसपैठियों और डुप्लिकेट मतदाताओं की पहचान की जाएगी और वोट की लूट करने का युग समाप्त होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग ने यह प्रक्रिया शुरू कर दी है और भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर इसे सफल बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि 2027 में समाजवादी पार्टी सैफई तक सीमित रह जाएगी. उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के अनुरूप स्वच्छ, पारदर्शी और सटीक मतदाता सूची तैयार की जा रही है, जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है.

जंगलराज को जनता ने नकारा तो विपक्ष परेशान– ब्रजेश पाठक

रक्क प्रक्रिया को लेकर विपक्ष के विरोध पर बीजेपी नेताओं ने तीखा हमला बोला. ब्रजेश पाठक ने कहा कि विपक्ष इसलिए परेशान है क्योंकि बिहार में जंगलराज को जनता ने नकार दिया और अब उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी के जंगलराज को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा. बीजेपी विधायक पंकज सिंह ने कहा कि SIR कोई भाजपा का कार्यक्रम नहीं बल्कि एक नियमित प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य साफ मतदाता सूची तैयार करना है.

उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को इसलिए आपत्ति है क्योंकि घुसपैठियों की पहचान होने से उन्हें नुकसान होगा. बीजेपी नेता कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि विपक्ष के पास विरोध के अलावा कोई मुद्दा नहीं है और रक्क निर्वाचन आयोग की संवैधानिक प्रक्रिया है, जिससे देश की जनसांख्यिकी को प्रभावित करने वाले और आतंकवाद को पोषित करने वाले

गोवा में भाजपा की जीत से गदगद हुए पीएम मोदी, बोले– 'गोवा सुशासन के साथ खड़ा है'

(एजेंसी)।

गोवा जिला पंचायत चुनाव 2025 के नतीजे सामने आ गए हैं। चुनाव में भाजपा की बड़ी जीत हुई है। भाजपा की जीत पर पीएम मोदी ने भी ट्वीट कर के बधाई दी है।

गोवा में जिला पंचायत चुनाव 2025 के नतीजे सोमवार 22 दिसंबर को सामने आ गए हैं। इस चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत हासिल हुई है। तो वहीं, कांग्रेस की करारी हार हुई है। 50 सीटों के लिए हुए गोवा जिला पंचायत चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 29 सीटों पर जीत हासिल हुई है। वहीं, कांग्रेस सिर्फ 10 सीटों पर सिमट गई है। गोवा में भाजपा को मिली इस जीत पर पीएम मोदी भी गदगद हैं। पीएम मोदी ने भाजपा को इस जीत के लिए बधाई दी है।

गोवा सुशासन के साथ खड़ा है– पीएम मोदी

गोवा में भाजपा को मिली जीत पर पीएम मोदी ने कहा– "गोवा सुशासन के साथ खड़ा है। गोवा प्रगतिशील राजनीति के साथ खड़ा है। मैं जिला

पंचायत चुनावों में भाजपा–एमजीपी (एनडीए) परिवार को मजबूत समर्थन का आशीर्वाद देने के लिए गोवा की अपनी बहनों और भाइयों को धन्यवाद देता हूं। इससे गोवा के विकास के हमारे प्रयासों को और ताकत मिलेगी। हम इस अद्भुत राज्य के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे मेहनती एनडीए कार्यकर्ताओं ने जमीन पर सराहनीय काम किया है, जिसके परिणामस्वरूप यह परिणाम मिला है।"

गोवा जिला पंचायत चुनाव परिणाम, कुल सीटें: 50/50

बीजेपी: 29, एमजीपी: 3, कांग्रेस: 10, जीएफपी: 1, आप: 1, आरजीपी: 2, निर्दलीय: 4

गोवा में बीजेपी नंबर 1– मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत– गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा– "गोवा में बीजेपी नंबर 1! गोवा, भाजपा पर भरोसा करने और हमें प्रचंड जीत का आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद! भाजपा–एमजीपी (एनडीए) गठबंधन के सभी नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्यों को हार्दिक बधाई। यह मजबूत जनादेश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार में लोगों के विश्वास को दशार्ता है।

मैं हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की भी सराहना करता हूं। मुझे विश्वास है कि भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन सर्वांगीण विकास को गति देगा, पारदर्शी और जवाबदेह शासन को मजबूत करेगा और विकसित गोवा और विकसित भारत की दिशा में काम करेगा।"

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का अंतरक्षेत्रीय समन्वय द्वारा इन्फ्लूएंजा से निपटने की तैयारी मजबूत करने के लिए दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन

- इन्फ्लूएंजा की आशंका वाले आगामी मौसम की तैयारी, निगरानी और आपातकालीन क्षमता बढ़ाना: जेपी नड्डा
- केंद्र, राज्य सरकार और विभिन्न क्षेत्र इन्फ्लूएंजा से बचाव और निपटने की तैयारी बढ़ाने को एकजुट हुए
- इन्फ्लूएंजा की तैयारी अलग–थलग नहीं हो सकती; इसके लिए सम्पूर्ण सरकार के समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

(एजेंसी)।

श्वसन तंत्र (नाक, गला और फेफड़े) को प्रभावित करते वाले अत्यधिक संक्रामक इन्फ्लूएंजा (फ्लू) से बचाव और इससे निपटने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र – एनसीडीसी, विश्व स्वास्थ्य संगठन – भारत के सहयोग से, 22 से 23 दिसंबर 2025 तक नई दिल्ली में इन्फ्लूएंजा की तैयारी और प्रतिक्रिया के लिए अंतर–मंत्रालयी और अंतर–क्षेत्रीय समन्वय सुदृढ़ करने विषय पर दो दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित कर रहा है। इसका उद्देश्य देश में आगामी इन्फ्लूएंजा के मौसम से पहले तैयारी और इससे निपटने के तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रमुख हितधारकों के बीच विचार–विमर्श करने का संरचित मंच प्रदान करना है। इन्फ्लूएंजा से ग्रस्त होने पर बुखार, खांसी, शरीर दर्द, सिरदर्द और थकान जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं, जिसके हल्के से लेकर गंभीर परिणाम तक हो सकते हैं।

चिंतन शिविर उद्घाटन सत्र को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि यह शिविर सभी हितधारकों के लिए इन्फ्लूएंजा से बचने और उससे निपटने के अनुकूलन तैयारियों के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श करने का एक अवसर प्रदान करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन्फ्लूएंजा के आगामी मौसम में तैयारियों और निपटने की योजना में आपातकालीन क्षमताएं भी शामिल हैं, जिनका सुचारू समन्वय आवश्यक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम – आईडीएसपी के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि देश भर में मजबूत और सहयोगात्मक निगरानी प्रणाली सुनिश्चित करने हेतु केंद्र और राज्यों के समन्वित और सहक्रियात्मक प्रयास आवश्यक हैं।

चिंतन शिविर में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और संस्थानों के लगभग 110 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जो बहुक्षेत्रीय सहभागिता को दशार्ता है। इसमें भाग लेने वालों में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय – डीजीएचएस, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद – आईसीएमआर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – आईसीएआर, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान – एनआईवी तथा सहयोगी संगठन और राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारी शामिल हैं। इसमें ग्यारह राज्यों के प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से, जबकि अन्य राज्य आभासी माध्यम से भाग ले रहे हैं। बैठक में इन्फ्लूएंजा से बचाव और निपटने के सर्वोत्तम प्रचलन और अनुभव को साझा किए जा रहे हैं।

भारत और वैश्विक स्तर पर इन्फ्लूएंजा जन स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है, जिसके समय–समय पर प्रकोप से गंभीर रुग्णता और मृत्यु दर में बढ़ोतरी होती है। यह विशेष रूप से छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और पुरानी बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों को प्रभावित करता है। इसी दृष्टिगत चिंतन शिविर आयोजित किया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय आईडीएसपी नेटवर्क माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मौसमी इन्फ्लूएंजा के रुझानों की वास्तविक समय के साथ निकटता से निगरानी रख रहा है। बैठक में इस बात को रेखांकित किया गया कि इन्फ्लूएंजा की तैयारी अलग–थलग नहीं रखा जा सकती और इसके लिए निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी, प्रयोगशाला जांच तैयारी, नैदानिक तत्परता और जोखिम के बारे में प्रभावी संचार सहित विभिन्न क्षेत्रों के समन्वित प्रयास की आवश्यकता है।

बिहार में कब होगा कैबिनेट विस्तार? पीएम मोदी और अमित शाह से मिले नीतीश कुमार; किन मुद्दों पर हुई बात?

(एजेंसी)।

बिहार में राजग की नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात औपचारिक शिष्टाचार तक सीमित नहीं थी, बिहार के विकास कार्यों पर हुई विस्तृत चर्चा, केंद्र–राज्य समन्वय को मजबूत करने पर दिया गया जोर, बिहार में राजग की नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि राज्य में डबल इंजन की सरकार पूरी रफ्तार से बढ़ने के लिए तैयार है। शीर्ष नेताओं की यह मुलाकात औपचारिक शिष्टाचार तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके केंद्र में विकास एजेंडे, आंध्र प्रदेश को मिल रही मदद की तरह ही बिहार के लिए कुछ विशेष मदद, केंद्र–राज्य समन्वय और राजनीतिक स्थिरता जैसे अहम मुद्दे भी शामिल थे।

केंद्रीय फंडिंग को आसान बनाया जाएगा

माना जा रहा है कि यह मुलाकात आने वाले समय में कुछ बड़ी योजनाओं की मंजूरी और केंद्रीय फंडिंग को आसान बना सकती है। केंद्र और राज्य के संबंधों को नई ऊर्जा दे सकती है।

भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौता वार्ता संपन्न होने की घोषणा की

- टैरिफ, कृषि उत्पादकता, निवेश और प्रतिभा पर आधारित नई पीढ़ी का व्यापार समझौता: विकसित भारत 2047 के लिए एक लोक–केंद्रित, रोजगार–उन्मुख रणनीतिक साझेदारी
- भारत के शत–प्रतिशत निर्यात पर शून्य शुल्क बाजार पहुंच, भारत ने न्यूजीलैंड के साथ द्विपक्षीय व्यापार के 95 प्रतिशत हिस्से के लिए 70 प्रतिशत क्षेत्रों में टैरिफ उदारीकरण की पेशकश की
- 16 मार्च 2025 को शुरू किसी विकसित देश के साथ हुआ सबसे तेज मुक्त व्यापार समझौता, वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान, कृषि उत्पादों सहित सभी भारतीय निर्यातों के लिए इस वर्ष की शानदार उपलब्धि
- न्यूजीलैंड की भारत को अब तक की सर्वश्रेष्ठ बाजार पहुंच और सेवाओं की पेशकश, जिसमें कंप्यूटर संबंधी सेवाएं, पेशेवर सेवाएं, ऑडियो विजुअल सेवाएं, दूरसंचार सेवाएं, निर्माण सेवाएं, पर्यटन और यात्रा संबंधी सेवाओं सहित 118 सेवा क्षेत्र शामिल, लगभग 139 उप–क्षेत्रों में सर्वाधिक वरीयतापूर्ण राष्ट्र का दर्जा देने की प्रतिबद्धता
- न्यूजीलैंड में अध्ययन के बाद कार्य वीजा और पेशेवर अवसरों के माध्यम से बिना किसी संख्यात्मक सीमा के यह समझौता छात्रों की गतिशीलता को बढ़ावा देगा

- छात्र वैश्विक शिक्षा को वैश्विक अनुभव में बदल सकते हैं, इसके तहत विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) में स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 3 वर्ष तक और डॉक्टरेट शोधार्थियों के लिए 4 वर्ष तक के अध्ययन के बाद कार्य करने का अधिकार
- 5,000 पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा और 1,000 कार्य तथा अवकाश वीजा का कोटा निर्धारित
- 15 वर्षों की अवधि में 20 बिलियन डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता

सेब, कीवी और शहद के लिए उत्कृष्टता केंद्रों के माध्यम से कृषि उत्पादकता साझेदारी स्थापित की गई ताकि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ावा दिया जा सके

- उत्पादकता सहयोग को सेब, कीवी और शहद के लिए सीमित बाजार पहुंच के साथ जोड़ा गया। यह कोटा और न्यूनतम आयात कीमतों से जुड़ा है, जिससे कि घरेलू उत्पादकों के लिए सुरक्षा उपायों के साथ ज्ञान हस्तांतरण को संयोजित किया जा सके
- किसानों और घरेलू उद्योगों को सुरक्षा देने के लिए बाजार पहुंच में डेयरी, कॉफी, दूध, क्रीम, पनीर, दही, व्हे, केसिन, प्याज, चीनी, मसाले, खाने के तेल, रबर शामिल नहीं
- भारत के विनिर्माण सेक्टर–लकड़ी के लट्ठे, कोकिंग कोयला, धातुओं का अपशिष्ट और स्क्रैप–के लिए शुल्क मुक्त इनपुट

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत और न्यूजीलैंड ने एक व्यापक, संतुलित और भविष्योन्मुखी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो हिंद–प्रशांत क्षेत्र के साथ भारत की सहभागिता में एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से मंगलवार को गुजरात पुलिस के 11,607 नवनियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे

गांधीनगर स्थित रामकथा मैदान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी तथा राज्य मंत्री श्री कमलेशभाई पटेल की प्रेरक उपस्थिति रहेगी

गांधीनगर, 22 दिसंबर :गुजरात सरकार के गृह विभाग द्वारा राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के आशय से लोकरक्षक कैडर की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण की गई है। इस भर्ती अंतर्गत चयनित हजारों युवा उम्मीदवारों के लिए 23 दिसंबर, 2025 मंगलवार को गांधीनगर में सेक्टर–11 स्थित रामकथा मैदान में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से तथा उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की प्रेरक उपस्थिति में भव्य ह्यचयन (नियुक्ति) पत्र प्रदानह्ल कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर पुलिस आवास

एवं जेल राज्य मंत्री श्री कमलेशभाई पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहकर नवनियुक्त जवानों को प्रोत्साहित करेंगे।

लोकरक्षक कैडर में कुल 11,899 उम्मीदवारों की भर्ती प्रक्रिया की गई थी, जिनमें 8,782 पुरुष एवं 3,117 महिला उम्मीदवारों का चयन किया गया है। फिलहाल डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन पूर्ण कर चुके 11,607 उम्मीदवारों को इस कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ ही राज्य सरकार द्वारा पुलिस बल में शेष 13,591 रिक्तियों के लिए भी नया विज्ञापन प्रकाशित कर दिया गया है। यह नई भर्ती प्रक्रिया भी हाल में कार्यरत है, जो दशार्ता है कि राज्य सरकार युवाओं को पारदर्शी ढंग से सरकारी सेवा में जोड़ने का अवसर प्रदान करने के लिए दृढ़ है।

इस कार्यक्रम में राज्य के मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, राज्य पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, पुलिस भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष डॉ. नीरजा गोटरू सहित उच्चाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

सम्पादकीय

बांग्लादेश में बेरोकटोक उग्र हो रहे दंगाई

बांग्लादेश में युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद एक बार फिर अशांति और हिसा की लहर आ गई है। 15 महीने बाद फिर हिसा भड़क गई। भारत विरोधी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद कट्टरपंथियों ने गुरुवार देर रात चट्टोग्राम में भारतीय उच्चायोग पर हमला कर दिया। यहां पर उच्चायुक्त का निवास स्थान भी है। दंगाइयों ने जमकर पथराव किया और मयमनसिह के भालुका में दंगाइयों ने ईशनिदा का आरोप लगा हिन्दू युवक दीपू चंद्र दास की पीट-पीट कर हत्या कर दी और पेड़ पर लटकाकर शव को जला दिया। बता दें कि कट्टरपंथी हादी ने पिछले साल अगस्त में छात्र आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। हादी हाल ही में जमात-ए-इस्लामी से जुड़े इंकबाल मंच में शामिल हो गया था। वह 12 फरवरी को होने वाले चुनाव में ढाका-8 सीट से इंकलाब मंच का प्रात्याशी था। ढाका में 12 दिसम्बर को हादी को दो युवकों ने गोली मार दी थी। उसकी सिगापुर में इलाज के दौरान गुरुवार को मौत हो गई थी। भारत संग रिश्ते लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। पाकिस्तान के बढ़ते कदम और बांग्लादेश से बिगड़ते रिश्तों पर संसदीय रिपोर्ट में इन चुनौतियों का जिव्र किया है। साल 1971 की जंग के बाद भारत को बांग्लादेश में सबसे बड़े रणनीतिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, यह कहना गलत नहीं होगा। राष्ट्रवाद के उभार, इस्लामी संगठनों की दोबारा सव्रियता और चीन- पाकिस्तान के बढ़ते प्राभाव ने बांग्लादेश में भारत के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी है। अगर समय रहते भारत ने अपनी नीति में बदलाव नहीं किया तो वह बांग्लादेश में अप्रासंगिक हो जाएगा। यह बातें भारत में विदेशी मामलों की एक संसदीय समिति की रिपोर्ट में रेखांकित की गई है। 99 पन्नों की इस रिपोर्ट में समिति ने भारत-बांग्लादेश के रिश्तों से जुड़ी उन चुनौतियों का जिव्र किया है, जो अगस्त 2024 के बाद खड़ी हुई है।

अगस्त 2024 यह वह महीना था जब बांग्लादेश में व्यापक जनप्राचार के बाद देश की तत्कालीन प्राधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी थी। तब से वह यहां रह रही हैं और देश में मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार काम कर रही है। संसदीय समिति की रिपोर्ट तैयार करने के लिए कांग्रोस सांसद शशि थरूर को नेतृत्व करने के लिए चुना गया। समिति ने विदेश मंत्रालय के प्रातिनिधियों से बातचीत की और बीते जून को 4 विशेषज्ञों की राय भी सुनी है। इन विशेषज्ञों में पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिव शंकर मेनन, सेवानिवृत्त ले. जनरल सैयद अता हसनैन, विदेश मंत्रालय की पूर्व सचिव रीवा गांगुली व अन्य शामिल थे। विश्लेषक के हवाले से बांग्लादेश के साथ भारत के रिश्ते में मौजूदा चुनौतियों के पीछे प्रामुख वजहें भी गिनाई गईं हैं। अल्पसंख्यकों पर हमले के पीछे आईएसआई के हाथ से इंकार नहीं किया जा सकता। बांग्लादेश में चीन की बढ़ती मौजूदगी भी एक चुनौती है। लालमोनिरहाट एयरबेस का चीनी मदद से विकसित किया जाना भारत की सुरक्षा के लिए एक खतरा है। जमात-ए-इस्लामी पाटा के नेताओं के हालिया चीन दौरे का भी रिपोर्ट में जिव्र किया गया और कहा कि इससे बांग्लादेश के अलग-अलग राजनीतिक गुटों के साथ चीन की गहराती बातचीत का संकेत मिलता है, जिहादी वहां उसकी मौजूदगी और मजबूत हो रही है। समिति ने सिफारिश की है कि सरकार बांग्लादेश में विदेशी शक्तियों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखे क्योंकि किसी भी वैसे देश, जिनके साथ भारत के रिश्ते अच्छे नहीं हैं (पाक-चीन) उनका वहां सैन्य ठिकाना बनाने की कोशिश भारत की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हो सकती है। मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश में ताजा हिसा पर सिर्प औपचारिक बयान देते दिख रहे हैं। अगर यूनुस वाकई असहाय हो गए हैं और कट्टरपंथी तंत्र अराजकता पैलाने के लिए स्वतंत्र है तो यह न तो बांग्लादेश के लिए अच्छी है और भारत के लिए तो बहुत चिताजनक है ही। फिलहाल बांग्लादेश में जिस तरह की अराजकता पैली हुई है और उनकी आंच में बहुत वुछ झुलसने की आशंका है। उसे देखते हुए भारत सरकार को चाहिए कि वह वूटनीतिक स्तर पर इन मामलों को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के समक्ष प्राभावी तरीके से उठाए।

अटल नेतृत्व, अविरत विकास : सुशासन से समृद्ध किसान

■ किसान सूर्योदय योजना (केएसवाई) अंतर्गत राज्य के 98 प्रतिशत से अधिक गाँवों को मिल रही है दिन में बिजली, 19 लाख से अधिक किसान प्राप्त कर रहे हैं दिन में बिजली का लाभ

■ वर्ष 2026-27 में जेटको द्वारा 1000 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 5 नए सबस्टेशन बनाने तथा लगभग 1100 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) के ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत बनाने की योजना

■ 40 नए सब स्टेशनों, 4640.73 सीकेएम की ट्रांसमिशन लाइन्स तथा 3927.72 सीकेएम के एमवीसीसी कार्य के लिए राज्य सरकार द्वारा 5000 करोड़ रुपए से अधिक का खर्च

■ मार्च-2026 तक राज्य के सभी किसानों को सिंचाई के दिन में बिजली मिलने लगेगी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 22 दिसंबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सुशासन का उद्देश्य किसानोन्मुखी योजनाओं और पहलों को पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से किसानों तक पहुँचाना है। किसान भारत की रीढ़ हैं और भारत का विकास तभी संभव है; जब किसान समृद्ध, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर हों। गुजरात में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के सुदृढ़ सुशासन अंतर्गत राज्य सरकार किसानोन्मुखी योजनाएँ सभी किसानों तक सफलतापूर्वक पहुँचा रही है और इसका श्रेष्ठ उदाहरण है किसान सूर्योदय योजना (केएसवाई), जिसके जरिये आज राज्य के 17,018 गाँवों यानी 98.66 प्रतिशत गाँवों को दिन में बिजली का लाभ मिल रहा है। इस योजना अंतर्गत गुजरात के 19.69 लाख किसानों को दिन में बिजली मिलने लगी है।

किसानों को दिन में विद्युत आपूर्ति करने की गुजरात की सफलता के विषय में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल कहते हैं, 'प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कृषि हितकारी नीतियों एवं किसानों के प्रति संवेदना के कारण आज राज्य के लगभग 98 प्रतिशत किसानों को दिन में बिजली मिलने लगी है। जो बाकी हैं, उन्हें भी मार्च-2026 दिन में बिजली मिलने लगेगी और यह मिशन पूरा किया जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री का यह एक बहुत बड़ा निर्णय था, जिसे हम पूरा कर सके। यह हम सबके लिए आनंद की बात है। किसानों को पर्याप्त पानी तथा बिजली मिलने के कारण राज्य के कृषि क्षेत्र की तसवीर समग्रतया बदल गई है और किसान समृद्ध हुए हैं।'

जयेश पटेल, केएसवाई लाभार्थी, हिम्मतनगर

किसान सूर्योदय योजना अंतर्गत सूर्य प्रकाश के घण्टों का अधिकतम उपयोग हो; इस प्रकार किसानों को बिजली दी जाती है

किसान सूर्योदय योजना (केएसवाई) वर्ष 2020 में लागू की गई थी, जिसका उद्देश्य सुबह 5 से रात 9 बजे तक दो स्लॉट में (सुबह 5 से दोपहर 1 बजे तक का स्लॉट तथा दोपहर 1 से रात 9 बजे तक का स्लॉट) में विद्युत आपूर्ति करना था। हालाँकि योजना लागू किए जाने के बाद कृषि क्षेत्र के लिए विद्युत आपूर्ति की समयसारिणी को सूर्य प्रकाश के घण्टों के हिसाब से अधिक कार्यक्षम बनाया जाना आवश्यक प्रतीत हुआ, जिससे सिंगल शिफ्ट का कॉन्सेप्ट प्रकाश में आया। इस कॉन्सेप्ट के तहत किसानों को सूर्य प्रकाश के घण्टों के दौरान; विशेषकर सुबह 7 से शाम 5 बजे तक कृषि के लिए बिजली पहुँचाई जाती है। सौर ऊर्जा को इस प्रकार एकीकृत किए जाने से अधिक मांग की समयावधि के दौरान ग्रिड पर लोड कम होता है, जिससे कृषि के लिए टिकाऊ एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होती है।

हाल में इस योजनांतर्गत राज्य के 17,018 गाँवों (98.66 प्रतिशत) को दिन में बिजली पहुँचाई जा रही है और राज्य के 98 प्रतिशत सबस्टेशनों को डे-टाइम यानी दिन के समय में शिफ्ट किया गया है। शेष 231 गाँवों को इस योजनांतर्गत लाने के लिए शेष 45 रोटेशनल सबस्टेशनों की शिफ्टिंग का कार्य प्रगत्याधीन है। उल्लेखनीय है कि इस योजनांतर्गत 40 नए सबस्टेशन स्थापित करने, 4640.73 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) की ट्रांसमिशन लाइनें डालने और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 3927.72 सर्किट किलोमीटर (सीकेएम) के एमवीसीसी कार्य के लिए राज्य सरकार द्वारा 5353.62 करोड़ रुपए का कुल खर्च किया गया है।

वर्ष 2026-27 में नए सबस्टेशन स्थापित करने तथा ट्रांसमिशन नेटवर्क मजबूत करने की योजना

वर्ष 2026-27 में दिन के दौरान कृषि विद्युत आपूर्ति के लिए गुजरात एनर्जी ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन (जेटको) ने लगभग पाँच सबस्टेशनों तथा 1100 सीकेएम ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत बनाने की योजना है, जिसका अनुमानित खर्च 1000 करोड़ रुपए है। इसके अतिरिक्त; वर्ष 2026-27 में डिसकॉम के लिए एबी केबल/एमवीसीसी डालने का अनुमानित खर्च 375 करोड़ रुपए है।

दिन में बिजली मिलने से जानवरों का भय दूर हुआ, समय की भी बहुत बचत हुई : किसान सूर्योदय योजना के लाभार्थी

हिम्मतनगर तहसील के काँकरोल गाँव के किसान श्री जयेश पटेल, जो हिम्मतनगर मंडी के अध्यक्ष भी हैं, कहते हैं, 'पहले किसानों को रात में बिजली मिलती थी, जिसके कारण रात में पानी छोड़ने जाने में तकलीफ होती थी। पानी का व्यय भी बहुत होता था और रात में जानवरों का भी डर रहता था। अब किसान सूर्योदय योजना अंतर्गत पिछले 2 वर्षों से हमें दिन में बिजली मिलती है, जिसके माध्यम से इन सभी समस्याओं का निवारण आ गया है। अब किसानों को खेतों में उचित समय पर उचित मात्रा में पानी मिल जाता है और समय की भी बचत होती है। इसके लिए मैं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का समग्र हिम्मतनगर तहसील के किसानों की ओर से आभार मानता हूँ।'

उल्लेखनीय है कि किसान सूर्योदय योजना के क्रियान्वयन से किसानों को दिन में बिजली मिलने के कारण वे दिन के दौरान उचित समय पर खेत में अच्छी तरह सिंचाई कर पाते हैं और अधिक फसल उत्पादन प्राप्त कर पाते हैं, जो किसानों की आर्थिक समृद्धि में परिणामित होता है। ट्रांसमिशन इन्फ्रास्ट्रक्चर के निरंतर सुदृढ़ीकरण के साथ राज्य सरकार किसान सूर्योदय योजना का चरणबद्ध क्रियान्वनय जारी रखेगी, जो दिन के समय विश्वसनीय एवं टिकाऊ विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय ने नई दिल्ली में आयुष प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य हस्तक्षेप मानकों में एकीकृत करने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी बैठक आयोजित की

(एजेंसी)।

पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल के वैश्विक एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 20-21 दिसंबर, 2025 को नई दिल्ली के होटल इंपीरियल में पारंपरिक चिकित्सा (टीएम) हस्तक्षेप कोड सेट विकास पर दो दिवसीय तकनीकी परियोजना बैठक का आयोजन किया। यह पहल मूल रूप से आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के बीच 24 मई, 2025 को हस्ताक्षरित ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) और दाता समझौते से प्रेरित है। यह समझौता अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य हस्तक्षेप वर्गीकरण (आईसीएचआई) के अंतर्गत पारंपरिक चिकित्सा के लिए एक समर्पित मॉड्यूल विकसित करने की आधारशिला है। आईसीएचआई स्वास्थ्य हस्तक्षेपों के वर्गीकरण हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक मानक है। इस पहल के अंतर्गत भारत आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी (एएसयू) प्रणालियों को वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल की मुख्यधारा में शामिल करने के लिए आवश्यक वित्तीय और तकनीकी ढांचे उपलब्ध करा रहा है।

इस बैठक का आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उस विजन के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें आयुष प्रणालियों को वैज्ञानिक तरीके से वैश्विक स्तर पर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में सहायक होती हैं। अपने 'मन की बात' संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह मानकीकृत ढांचा आयुष प्रणालियों को वैश्विक मान्यता और वैज्ञानिक विश्वसनीयता प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने भी पूर्व में कहा था कि एक समर्पित आईसीएचआई मॉड्यूल आयुष प्रणालियों की वैश्विक मान्यता को सुगम बनाएगा और समावेशी, सुरक्षित और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा के लिए डब्ल्यूएचओ के प्रयासों का समर्थन करेगा।

तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री कविता गर्ग ने की, जिन्होंने आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य हस्तक्षेप कोड को विकसित करने में भारतीय टीम की अगुवाई की। उनके नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक प्रतिष्ठित टीम ने इस पहल में योगदान दिया, जिनमें सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रो. रबीनारायण आचार्य, सीसीआरएएस के महानिदेशक प्रो. एन.जे. मुथुकुमार और सीसीआरयूएम के महानिदेशक डॉ. जहीर अहमद भी शामिल हैं।

इस बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सभी छह क्षेत्रों - जिनमें एएफआरओ, एएमआरओ, ईएमआरओ, ईयूआरओ, एसईएआरओ, डब्ल्यूपीआरओ - से व्यापक भागीदारी देखने को मिली, जिससे पारंपरिक चिकित्सा पर एक व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण सुनिश्चित हुआ। जेनेवा स्थित डब्ल्यूएचओ मुख्यालय के प्रमुख प्रतिनिधियों, जैसे रॉबर्ट जैकब, नेनाद कोस्टांजेक, स्टीफन एस्पिनोसा और डॉ. प्रदीप दुआ ने वर्गीकरण संबंधी चचाओं का नेतृत्व किया। उनके साथ जामनगर स्थित डब्ल्यूएचओ वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (जीटीएमसी) से डॉ. गीता कृष्णन और दिल्ली स्थित डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ कार्यालय से डॉ. पवन कुमार गोदातवार भी शामिल हुए। भूटान, ब्राजील, भारत, ईरान, मलेशिया, नेपाल, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, फिलीपींस, ब्रिटेन और अमरीका सहित सदस्य देशों ने अपने-अपने देश की स्थिति का मूल्यांकन करने और हस्तक्षेप विवरणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए भाग लिया।

आईसीएचआई में पारंपरिक चिकित्सा का एकीकरण इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि हस्तक्षेप कोडिंग विभिन्न देशों और चिकित्सा प्रणालियों में स्वास्थ्य प्रक्रियाओं के लिए एक साझा भाषा प्रदान करती है। इन कोडों के मानकीकरण से स्वास्थ्य सेवा प्रदाता पारंपरिक उपचारों की आवृत्ति और प्रभावशीलता का बेहतर दस्तावेजीकरण, रिपोर्टिंग और विश्लेषण कर सकते हैं। यह परियोजना विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर संचालित की जाएगी। इससे न केवल नैदानिक अनुसंधान और नीतिगत सहायता मिलेगी, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य सूचना प्रणालियों में पारंपरिक चिकित्सा के विस्तार का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

बांग्लादेश से लाखों घुसपैठियों को भारत में धकेलने की प्लानिंग, आईएसआई की सबसे बड़ी साजिश का खुलासा!

(एजेंसी)। बांग्लादेश के वर्तमान हालातों और वहां व्याप्त हिंसा के बीच भारतीय सीमाओं पर सुरक्षा और चौकसी बढ़ा दी गई है। खुफिया एजेंसियों ने एक बड़ा अलर्ट जारी करते हुए आगाह किया है कि पड़ोसी देश की बिगड़ती कानून-व्यवस्था का फायदा उठाकर भारत में बड़े पैमाने पर घुसपैठ की तैयारी की जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, बांग्लादेशी सुरक्षा बलों की व्यस्तता का लाभ उठाकर क्रकसमर्थित संगठन भारत की आंतरिक सुरक्षा को अस्थिर करने की फिराक में हैं। उनकी योजना लाखों की संख्या में लोगों को भारतीय सीमा में धकेलने की है ताकि देश की व्यवस्था को चरमराया जा सके।

खुफिया इनपुट यह भी बताते हैं कि पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों के दौरान इस गतिविधि में तेजी आ सकती है, क्योंकि उस समय सुरक्षा एजेंसियां चुनावी प्रबंधन में व्यस्त होंगी।

इस साजिश के दो मुख्य पहलू सामने आए हैं:

1. डेमोग्राफिक चेंजः ISI की कोशिश बंगाल और पूर्वोत्तर राज्यों में बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की भारी घुसपैठ कराकर वहां की जनसांख्यिकी बदलने की है।

2. आतंकी घुसपैठः भीड़ की आड़ में प्रशिक्षित आतंकियों को भारतीय सीमा के भीतर प्रवेश कराना, ताकि देश के विभिन्न हिस्सों में अस्थिरता पैदा की जा सके।

3. शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से बांग्लादेश में क्रकका प्रभाव बढ़ा है, जिससे भारत के लिए सीमावर्ती चुनौतियां और अधिक गंभीर हो गई हैं।

दुर्गम रास्तों और मजबूरी का फायदा

खुफिया ब्यूरो (IB) के मुताबिक, घुसपैठिए मुख्य रूप से असम, त्रिपुरा और बंगाल के उन रास्तों का चयन कर रहे हैं जहां नदी मार्ग, घने जंगल या कम दृश्यता जैसी भौगोलिक चुनौतियां हैं।

इसके साथ ही, क्रक ने पिछले कुछ महीनों में आर्थिक रूप से कमजोर रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी नागरिकों को निशाना बनाया है। उन्हें पैसों का लालच देकर ट्रेनिंग कैंपों में भर्ती किया गया है और आतंकी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। पिछले एक साल से एक्टिव इन कैंपों में हजारों हताश युवाओं को भारत विरोधी साजिशों का हिस्सा बनाया जा रहा है।

बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों की सैलरी के लिए लिया ऐतिहासिक फैसला, 150 प्रतिशत तक बढ़ाई मैच फीस

(एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने 22 दिसंबर 2025 को अपनी एपेक्स काउंसिल की बैठक में एक ऐसा क्रांतिकारी फैसला लिया है, जो भारतीय महिला क्रिकेट की तस्वीर बदल देगा। भारत की महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 की खिताबी जीत के बाद, बीसीसीआई ने घरेलू स्तर पर खेल रही महिला खिलाड़ियों की मैच फीस में 2.5 गुना (150%) तक का इजाफा कर दिया है।

नई सैलरी संरचना एक नज़र में

क्रम	टीम	पहले अमाउंट	अब अमाउंट
1	सीनियर प्लेइंग-11 (वनडे/प्रतिदिन)	20,000	50,000
2	सीनियर रिजर्व (वनडे/प्रतिदिन)	10,000	25,000
3	जूनियर प्लेइंग-11 (वनडे/प्रतिदिन)	10,000	25,000
4	सीनियर टी20 (प्लेइंग-11)	10,000	25,000

पहले सीनियर महिला खिलाड़ियों को वनडे और मल्टी-डे मैचों के लिए प्रतिदिन 20,000 रुपये मिलते थे, जिसे अब बढ़ाकर 50,000 रुपये कर दिया गया है। जो खिलाड़ी बेंच पर होंगे, उनकी फीस भी 10,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है।

अब प्रति टी20 मैच 25,000 रुपये मिलेंगे (पहले यह 10,000 रुपये थे)। बेंच पर बैठने वाली खिलाड़ियों को अब 12,500 रुपये प्रति मैच दिए जाएंगे। जूनियर क्रिकेटरों का भी बीसीसीआई ने खास ध्यान रखा है. सीनियर टूनार्मेंट में प्लेइंग-11 को 25,000 रुपये (पहले 10,000) और रिजर्व को 12,500 रुपये मिलेंगे, जो पहले 5000 रुपये हुआ करते थे।

सिर्फ खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि मैच अधिकारियों की फीस भी दोगुनी से ज्यादा कर दी गई है। अब घरेलू मैचों में अंपायरिंग करने वालों को प्रति मैच 1.60 लाख से 3 लाख रुपये (नॉकआउट मैचों के लिए) तक मिल सकेंगे।

पीएम मोदी का विजन सही नहीं,संविधान को खत्म करने की साजिश', जर्मनी में राहुल ने भाजपा पर लगाए आरोप

(एजेंसी)।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर देश के संस्थागत ढांचे पर कब्जा करने का आरोप लगाया है, उन्होंने जर्मनी के बर्लिन स्थित हर्टी स्कूल में 'पॉलिटिक्स इज द आर्ट ऑफ लिसनिंग' विषय पर बोलते हुए कहा कि 'केंद्र सरकार जांच एजेंसियों को राजनीतिक हथियार बना रही है।'

उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा कि 'प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी एजेंसियां चुनिंदा रूप से इस्तेमाल की जाती हैं तभी तो भाजपा के खिलाफ नाममात्र के मामले हैं और अधिकांश राजनीतिक मामले सत्ताधारी दल के विरोधियों पर केंद्रित हैं।'

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 'कांग्रेस समर्थक व्यवसाइयों को डराने-धमकाने का सामना करना पड़ता है। भाजपा राजनीतिक शक्ति मजबूत करने के लिए राज्य संस्थाओं का उपयोग कर रही है, राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि ये लोकतंत्र पर सीधा हमल' है लेकिन विपक्ष इसका प्रतिकार करेगा।'

भारत की संस्थागत प्रणाली पर भाजपा पर कब्जाः

उन्होंने स्पष्ट किया कि 'यह लड़ाई सिर्फ भाजपा नामक एक पार्टी के खिलाफ नहीं, बल्कि भारत की संस्थागत प्रणाली पर उसके नियंत्रण के खिलाफ है। बता दें कि राहुल गांधी के संबोधन का ये वीडियो कांग्रेस ने ही जारी किया है।

ढट मोदी का विजन सही नहीं: राहुल गांधी

राहुल गांधी ने कहा कि 'भारत में बहुत से लोग प्रधानमंत्री मोदी को सपोर्ट करते हैं लेकिन हम उनकी विचारधारा और भारत के बारे में उनके विजन से सहमत नहीं हैं। हमें लगता है कि यह विजन फेल हो जाएगा और इसमें बहुत सारी समस्याएं हैं। इससे भारत में बहुत तनाव पैदा होगा और भारतीय लोग एक-दूसरे से लड़ेंगे लेकिन हम इससे लड़ेंगे, ये दो विचारधाराओं की लड़ाई है।'

नोटबंदी कैश फ्लो पर हमला थाः

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'नोटबंदी कैश फ्लो पर हमला था। भारत में बड़े बिजनेस के लिए जगह है...सभी अलग-अलग लेवल पर और भी कई प्लेयर्स हैं और सरकारों को उन्हें आर्थिक और तकनीकी रूप से सपोर्ट करना चाहिए...हमारी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में गिरावट आई है।'

'हमारे देश के संस्थागत ढांचे पर पूरी तरह से हमला हो रहा'

राहुल गांधी ने कहा, 'हमने तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश में चुनाव जीते हैं। हम भारत में चुनावों की निष्पक्षता को लेकर मुद्दे उठाते रहे हैं। मैंने भारत में प्रेस कॉन्फ्रेंस की हैं जहां हमने बिना किसी शक के साफ तौर पर दिखाया है कि हमने हरियाणा चुनाव जीता और हमें नहीं लगता कि महाराष्ट्र चुनाव निष्पक्ष थे। हमारे देश के संस्थागत ढांचे पर पूरी तरह से हमला हो रहा है। हमने चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछे... हरियाणा में वोटिंग लिस्ट में एक ब्राजीलियाई महिला का नाम 22 बार था...

कृति सेनन के घर में बजेगी शहनाई, छोटी बहन नुपुर सेनन इस सिंगर के साथ करेगी शादी

(एजेंसी)।

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन की बहन और अभिनेत्री नूपुर सेनन अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। नूपुर जल्द ही मशहूर गायक स्टेबिन बेन के साथ सात फेरे लेने जा रही हैं। साल 2026 की शुरूआत में होने वाली इस शादी को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार खबरें वायरल हो रही हैं, जिससे फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

उदयपुर में होगी शाही शादी

'हिंदुस्तान टाइम्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, नूपुर सेनन और स्टेबिन बेन ने अपनी शादी के लिए राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर को चुना है। यह कपल 11 जनवरी को विवाह बंधन में बंधेगा। शादी से पहले की रस्में 9 जनवरी से शुरू होंगी और तीन दिनों तक चलेंगी। इन आयोजनों में मेहंदी, संगीत और अन्य पारंपरिक रस्में शामिल होंगी।

तारीख को लेकर अब पूरी तरह स्पष्टता

रिपोर्ट में एक करीबी सूत्र के हवाले से बताया गया है कि पहले सामने आई कई तारीखें सही नहीं थीं। परिवारों ने आपसी सहमति से 11 जनवरी को अंतिम और पक्की शादी की तारीख तय की है। शादी समारोह भव्य जरूर होगा, लेकिन इसे सीमित और खास लोगों तक ही रखा जाएगा।

निजी समारोह, सीमित मेहमान

नूपुर और स्टेबिन अपनी शादी को पूरी तरह निजी रखना चाहते हैं। सूत्रों के अनुसार, इस समारोह में केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे। इंडस्ट्री के बड़े सितारों की भीड़ से दूर रहकर कपल इस खास पल को अपनों के साथ मनाना चाहता है। इसी वजह से शादी स्थल पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए जाने की संभावना है।

मुंबई में होगा ग्रैंड रिसेप्शन

उदयपुर में विवाह संपन्न होने के बाद यह नवविवाहित जोड़ा मुंबई में एक रिसेप्शन पार्टी का आयोजन करेगा। खबरों के अनुसार, 13 जनवरी को होने वाले इस रिसेप्शन में फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़े दोस्त और सहकर्मी शामिल होंगे। यहां कपल अपनी नई शुरूआत का जश्न सबके साथ मनाएगा।

नूपुर सेनन का करियर सफर

नूपुर सेनन ने अपनी पहचान अभिनय के क्षेत्र में बनाई है। साल 2019 में अक्षय कुमार के साथ म्यूजिक वीडियो 'फिलहाल' से उन्हें खास पहचान मिली। इसके बाद 2023 में उन्होंने डिज्नी+ हॉटस्टार की कॉमेडी-ड्रामा सीरीज 'पॉप कौन?' से एक्टिंग में कदम रखा। बता दें, स्टेबिन बेन म्यूजिक इंडस्ट्री का चर्चित चेहरा हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

सेंट्रल मंडल के 02 कर्मचारियों को मिला महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार

पश्चिम रेलवे के 11 कर्मचारी महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई , पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने सुरक्षित रेल परिचालन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 11 कर्मचारियों को मुंबई स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को नवंबर 2025 के दौरान ड्यूटी के समय उनकी सतर्कता एवं समर्पण के कारण संभावित अप्रिय घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारी मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, रतलाम, अहमदाबाद, राजकोट एवं भावनगर मंडलों से हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल मंडल के 2 कर्मचारियों — श्री सुदाम पाटिल, फिटर तथा श्री राकेश अशोक घोडीचोर, गुड्स ट्रेन मैनेजर, वसई रोड को रेल परिचालन की संरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में उच्च स्तर की प्रतिबद्धता एवं समर्पण के लिए महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री विवेक कुमार गुप्ता ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी 11 कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना की तथा कहा कि ये सभी कर्मचारी दूसरों के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, प्रमुख विभागाध्यक्षों तथा महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के साथ।

18 नवंबर, 2025 को नियमित निरीक्षण के दौरान श्री सुदाम पाटिल, फिटर ने ब्रेक वैन के सेंटर पिवट के टूटे होने को देखा और बिना किसी विलंब के अपने वरिष्ठ अधिकारी को इसकी सूचना दी। जांच के उपरांत संबंधित वैगन को आगे की यात्रा के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया, जिससे एक संभावित अप्रिय घटना टल गई और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। इसी प्रकार, श्री राकेश अशोक घोडीचोर, मालगाड़ी प्रबंधक ने 10 नवंबर, 2025 को ट्रेन का चार्ज लेते समय पाया कि ब्रेक पावर सर्टिफिकेट अमान्य था। साथ ही उन्होंने यह भी देखा कि वैगन के पिछले कंटेनर के ताले लॉक होल से बाहर थे। उन्होंने पूरे ट्रेन का निरीक्षण कर अपनी शंकाओं की पुष्टि की तथा वसई रोड के उप स्टेशन अधीक्षक को इसकी सूचना दी। यदि इस कमी का समय पर पता नहीं चलता तो एक अप्रिय घटना हो सकती थी।

पश्चिम रेलवे सभी पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों की त्वरित सोच एवं सतर्कता की सराहना करती है, जिनके कारण संभावित अप्रिय घटनाओं को रोका जा सका।

तीसरी पनडुब्बी रोधी उथले पानी का जहाज 'अंजदीप' शामिल

(एजेंसी)।

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई), कोलकाता द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित आठ एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी पनडुब्बी रोधी उथले पानी के जहाजों में से एक यानी तीसरा अंजदीप जहाज, 22 दिसंबर 2025 को चेन्नई में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।

एएसडब्ल्यू एसडब्ल्यूसी जहाजों को जीआरएसई और मेसर्स एल एंड टी शिपयार्ड, कट्टुपल्ली के सार्वजनिक-निजी-भागीदारी (पीपीपी) के तहत इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के अनुसार डिजाइन और निर्मित किया गया है। यह सहयोगी रक्षा विनिर्माण की सफलता को दशार्ता है।

लगभग 77 मीटर लंबाई वाले ये जहाज भारतीय नौसेना के सबसे बड़े वाटरजेट युद्धपोत हैं और अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रूप से निर्मित पनडुब्बी रोधी रॉकेट और उथले पानी के सोनार से सुसज्जित हैं। यह पानी के नीचे के खतरों का प्रभावी ढंग से पता लगाने और उनसे निपटने में सक्षम हैं। ये जहाज नौसेना की पनडुब्बी रोधी, तटीय निगरानी और बारूदी सुरंग बिछाने की क्षमताओं को मजबूत करेंगे।

यह जहाज 2003 में सेवामुक्त पूर्ववर्ती पेट्या श्रेणी के युद्धपोत आईएनएस अंजदीप का पुनर्जन्म है। जहाज का नाम कर्नाटक के कारवार तट पर स्थित अंजदीप द्वीप से लिया गया है, जो भारत के विशाल समुद्री क्षेत्र की रक्षा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अंजदीप का शामिल किया जाना भारतीय नौसेना के स्वदेशी जहाज निर्माण के प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को साकार करती है। इसमें 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। यह जहाज घरेलू रक्षा विनिर्माण इको-सिस्टम के विकास और आयात पर निर्भरता कम करने का प्रमाण है।

सीआरआईएसपीआर नवाचार और अनुवाद उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-सीआईटी) की स्थापना के लिए आशय पत्र

(एजेंसी)।

सीआरआईएसपीआर नवाचार और अनुवाद उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-सीआईटी) की स्थापना के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह अत्याधुनिक सीआरआईएसपी प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके प्रयोगशाला में किए गए वैज्ञानिक आविष्कारों को वास्तविक दुनिया के नैदानिक अनुप्रयोगों में परिवर्तित करने के लिए एक समर्पित केंद्र होगा। सीआरआईएसपीआर (क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट्स) एक जीन-संपादन तकनीक है जो वैज्ञानिकों को डीएनए को सटीक रूप से काटने, बदलने या हटाने की अनुमति देती है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के बेंगलुरु स्थित स्वायत्त संस्थान जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएएसआर) और किफायती निदान विकसित करने के लिए क्रिसप्र जीन-संपादन तकनीक का उपयोग करके जैव प्रौद्योगिकी पर केंद्रित दिल्ली स्थित क्रिसप्रबिट्स प्राइवेट लिमिटेड (सीआरआईएसपी) ने संयुक्त रूप से सीओई-सीआईटी की स्थापना के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर की घोषणा की। यह देश में शिक्षा और उद्योग जगत के बीच एक ऐतिहासिक सार्वजनिक-निजी साझेदारी है।

सीओई-सीआईटी का उद्देश्य प्रयोगशाला में तैयार दवाई रोगी तक पहुंचाने और जेएनसीएएसआर की मूलभूत जैव चिकित्सा विज्ञान में दक्षता और सीआरआईएसपीआर बिट्स की अनुप्रयुक्त जीन-संपादन और ट्रांसलेशनल प्लेटफॉर्म में विशेषज्ञता को मिलाकर चिकित्सीय लाभ प्रदान करना है। यह दशार्ता है कि भारतीय वैज्ञानिक नवाचार सामाजिक और नैदानिक लाभ के लिए प्रभावी ढंग से कैसे उपयोग किया जा सकता है। इसके साथ ही यह उत्कृष्टता केंद्र देश के जैव प्रौद्योगिकी और नवाचार इको-सिस्टम को मजबूत करने के लिए अकादमिक-उद्योग साझेदारी के लिए अनुकरणीय राष्ट्रीय मॉडल के रूप में कार्य करेगा।

जेएनसीएएसआर के अध्यक्ष उमेश वाघमारे ने बताया कि स्वास्थ्य विज्ञान में किफायती और सुलभ नवीन समाधानों के विकास के लिए इंटेलिजेंट मॉलिक्यूलर प्लेटफॉर्म में विशेषज्ञ क्रिस्परबिट्स के साथ साझेदारी में अपने परिसर में इस सह-शिक्षण संस्थान की स्थापना करना जेएनसीएएसआर के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। आनुवंशिकी, आणविक एवं रासायनिक जीव विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान में आपसी समन्वय के साथ यह अनूठी साझेदारी समाज और राष्ट्रीय मिशनों के लिए एक नया मार्ग प्रशस्त करेगी।

आईपी एण्ड टैप्स ने संचार वित्त लेखा दिवस के रूप में 51वाँ स्थापना दिवस मनाया और कम्युनिकेशन फाइनेंस समिट 2025 का आयोजन किया

(एजेंसी)।

भारतीय डाक एवं दूरसंचार लेखा एवं वित्त सेवा (IP&TAFS)—जो कि संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से भर्ती की जाने वाली एक केंद्रीय सिविल सेवा है—ने अपना 51वाँ स्थापना दिवस, संचार वित्त लेखा दिवस के रूप में मनाया तथा इस अवसर पर कम्युनिकेशन फाइनेंस समिट 2025 का आयोजन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कंट्रोलर जनरल ऑफ कम्युनिकेशन अकाउंट्स (CGCA), सुश्री वंदना गुप्ता ने IP&TAFS की 51 वर्षों की संस्थागत यात्रा और भारत के दूरसंचार एवं डाक क्षेत्रों में वित्तीय शासन को सुदृढ़ करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आर्थिक सुधारों, उदारीकरण तथा तीव्र तकनीकी प्रगति के प्रभावों का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार इन परिवर्तनों ने दूरसंचार विभाग (DoT) और डाक विभाग (DoP) की भूमिकाओं को नया स्वरूप प्रदान किया है।

उऋ्ठअ ने राजस्व आश्वासन, लाइसेंस शुल्क एवं स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क के आकलन एवं संग्रह, दूरसंचार ऑपरेटरों की वित्तीय निगरानी, आंतरिक लेखा परीक्षा, पेंशन प्रबंधन, तथा नीति-आधारित वित्तीय परामर्श में IP&TAFS की विस्तारित जिम्मेदारियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सेवा की प्रतिबद्धता और व्यावसायिक दक्षता के कारण DoT और DoP, दोनों ही प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (DARPG) द्वारा प्रकाशित शिकायत निवारण रैंकिंग में लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभागों में शामिल रहे हैं।

क्षमता निर्माण पर विशेष बल देते हुए सुश्री गुप्ता ने बताया कि IP&TAFS के अधीन नेशनल कम्युनिकेशन अकादमी-फाइनेंस (NCA-Fi»»fÔ»»fce) आज सरवोत्तम-क्षमता निर्माण आयोग द्वारा उच्चतम रेटिंग प्राप्त केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान के रूप में प्रतिष्ठित है। अकादमी ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (LBSNAA) के सहयोग से 15 अखिल भारतीय सेवाओं एवं केंद्रीय सेवाओं के 176 अधिकारियों के लिए विशेष आधारभूत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का सफल आयोजन किया है, जिसे LBSNAA द्वारा सराहा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि IP&TAFS अधिकारियों की भूमिका अब पारंपरिक लेखा एवं वित्त कार्यों से आगे बढ़कर दूरसंचार एवं डाक क्षेत्रों में मुख्य परिचालन, प्रशासनिक, लेखा परीक्षा एवं नीति-सहायक दायित्वों तक विस्तारित हो चुकी है।

सलाहकार (वित्त), सुश्री दर्शन एम. डाबराल ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए सेवा की यात्रा पर समय-समय पर आत्ममंथन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि IP&TAFS ने 1990 के दशक के उदारीकरण काल और 2020 के दशक की डिजिटल परिवर्तन अवधि में महत्वपूर्ण विकास चरणों का अनुभव किया है, जिनके दौरान सेवा की भूमिका सेवा प्रदाता से नियामक एवं रणनीतिक वित्तीय साझेदार के रूप में परिवर्तित हुई। उन्होंने फुर्ती और अनुकूलनशीलता को सेवा की दो प्रमुख विशेषताएँ बताया और डाक विभाग में IT 2.0, तीव्र लेखा सुधारों तथा SAMPANN, IT 2.0 और रअफ्ळर जैसे प्रमुख डिजिटल अनुप्रयोगों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन प्लेटफॉर्म्स के अन्य मंत्रालयों, राज्य सरकारों और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) ढाँचों तक विस्तार का भी सुझाव दिया।

अपने विचार साझा करते हुए श्री राजीव कुमार, वरिष्ठ उप महानिदेशक (PAF) ने दूरसंचार और डाक क्षेत्रों में हुए विभिन्न परिवर्तनों, चुनौतियों और सफलताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि IP&TAFS ने निरंतर स्वयं को विकसित किया है, जिसमें सेवा के वरिष्ठ एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों की मार्गदर्शक भूमिका और संस्थागत स्मृति का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इस अवसर पर अपर नियंत्रक महालेखाकार, सुश्री आस्था सक्सेना ने शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि लेखा एवं वित्त सेवाएँ सदैव शासन व्यवस्था का अनिवार्य अंग रही हैं। उन्होंने पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (PFMS) जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट्स (CGA) और IP&TAFS के बीच सहयोग को रेखांकित किया तथा कहा कि संचार वित्त भविष्य में भी सरकारी कार्यप्रणाली के केंद्र में बना रहेगा।

सम्मेलन के दौरान सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों ने क्ढ&ळअत्र्र के विकास से जुड़े अपने अनुभव साझा किए, जिससे कार्यरत अधिकारियों को दीर्घकालिक दृष्टि और संस्थागत स्मृति का लाभ मिला।

'द यश मंगलम शो' की नई लघु फिल्म' 'द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स' गणित के जादूगर रामानुजन को समर्पित

"राष्ट्रीय गणित दिवस" पर हुआ लघु फिल्म का लोकार्पण

मुंबई, 22 दिसम्बर। इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे "द यश मंगलम शो" की नवीनतम कड़ी के रूप में लघु फिल्म "द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स" का लोकार्पण राष्ट्रीय शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर 21 दिसम्बर, 2025 को बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग के अंतर्गत बिहार फिल्म विकास निगम के मुख्य सलाहकार अरविंद रंजन दास द्वारा किया गया। इस लघु फिल्म में गणित के जादूगर श्रीनिवास रामानुजन के विलक्षण व्यक्तित्व और कृतित्व का सुरुचिपूर्ण विश्लेषण किया गया है।

राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर "द यश मंगलम शो" की नवीनतम फिल्म "द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स" का पोस्टर तथा लघु फिल्म के लोकार्पण समारोह के विभिन्न दृश्य इतिहास गवाह है

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत "वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई" द्वारा "मगध एकेडमी ऑफ कल्चर एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स" टअउढअ के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म "द लीगेसी ऑफ मैथेमेटिक्स" सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण चैनल "द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की "धरोहरः ए पोएटिक सागा", "शिल्पकार", "योगा रिट्रीट", "सेहत के रखवाले", *कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा, "मैं भारत हूँ..!" और "पथ प्रदर्शक" जैसी प्रभावशाली कड़ियाँ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं, जो सिर्फ. 15 वर्ष की आयु में ही सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी दमदार शैली की बदौलत शो- बिज की दुनिया में अपना अच्छा मुकाम हासिल कर रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें गणित के जादूगर श्रीनिवास रामानुजन के जीवन के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 10 से अधिक लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं एडिटर अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस लघु फिल्म के प्रोड्यूसर बिहार के प्रमुख शिक्षाविद लायन राजीव भार्गव हैं। इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है।

इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है। वीडियोग्राफी श्रीकांत, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके, एडिटिंग प्रताप शिंदे, डिजाइनिंग एलेक्स बेकर और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है। पटना के मशहूर गणितज्ञ आनंद कुमार को समर्पित और टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल, पटना द्वारा प्रायोजित इस लघु फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई ने किया है। महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में निर्मित इस लघु फिल्म का लोकार्पण और प्रीमियर शो का उद्घाटन बिहार फिल्म विकास निगम के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर अरविंद रंजन दास द्वारा 21 दिसम्बर , 2025 को पटना के टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल के सभागार में किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन के दौरान विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं लॉयंस क्लब, पटना की अध्यक्ष शिवानी भार्गव और सचिव लॉयन रोहित शंकर सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस लघु फिल्म में टेंडर हार्ट्स इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने भी अभिनय किया है। लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर अरविंद रंजन दास उपस्थित रहे। अन्य प्रमुख अतिथियों में लॉयंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रदीप खेतान, लॉयन रचना खेतान, डॉ. रवि भार्गव, बिहार स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अशोक मेहता, राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी योगेश गुप्ता, पटना के प्रमुख समाजसेवी नीरज गुप्ता, जाने-माने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रवण कुमार , डॉ. चिरंजीव दुबे , लायन सोनिया, बाटा के पूर्व ल्फ निदेशक ऋषिकेश मुख्य रूप से शामिल हैं। यह लघु फिल्म इस यू-ट्यूब लिंक पर देखी जा सकती है :- https://youtu.be/x55HK08Q7hY?si=BABabwo1mav7-uPA

प्रमुख उद्योगों का नवंबर 2025 के लिए सूचकांक (आधार वर्षः 2011-12=100)

(एजेंसी)।

आठ प्रमुख उद्योगों का संयुक्त सूचकांक (आईसीआई) नवंबर 2025 में नवंबर 2024 के सूचकांक की तुलना में 1.8 प्रतिशत (अनंतिम) बढ़ा। सीमेंट, इस्पात, उर्वरक और कोयले के उत्पादन में नवंबर 2025 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। वार्षिक सूचकांक, मासिक सूचकांक और वृद्धि दर का विवरण अनुलग्नक-क और अनुलग्नक-कक में दिया गया है।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईसीआई) आठ प्रमुख उद्योगों, जैसे कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली, के संयुक्त और एकल उत्पादन प्रदर्शन का मापन करता है। ये आठ प्रमुख उद्योग औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में शामिल वस्तुओं के भार का 40.27 प्रतिशत हिस्सा हैं।

अक्टूबर 2025 के लिए आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक की अंतिम वृद्धि दर (-) 0.1 प्रतिशत दर्ज की गई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान आईसीआई की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.4 प्रतिशत (अनंतिम) है।

आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक का सारांश नीचे दिया गया हैः

कोयला - नवंबर 2025 में कोयले के उत्पादन (भारः 10.33 प्रतिशत) में नवंबर 2024 की तुलना में 2.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.4 प्रतिशत कम हो गया।

कच्चा तेल - कच्चे तेल का उत्पादन (भारः 8.98 प्रतिशत) नवंबर 2025 में नवंबर 2024 की तुलना में 3.2 प्रतिशत कम हो गया। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.3 प्रतिशत कम हो गया।

प्राकृतिक गैस - प्राकृतिक गैस उत्पादन (भारः 6.88 प्रतिशत) में नवंबर 2025 में नवंबर 2024 की तुलना में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.0 प्रतिशत कम हो गया।

पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद - पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन (भारः 28.04 प्रतिशत) में नवंबर 2025 में नवंबर 2024 की तुलना में 0.9 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.2 प्रतिशत बढ़ा।

उर्वरक - उर्वरक उत्पादन (भारः 2.63 प्रतिशत) में नवंबर 2025 में नवंबर 2024 की तुलना में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.3 प्रतिशत बढ़ा।

इस्पात - इस्पात उत्पादन (भारः 17.92 प्रतिशत) में नवंबर 2025 में नवंबर 2024 की तुलना में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 9.7 प्रतिशत बढ़ा।

सीमेंट - नवंबर 2025 में सीमेंट उत्पादन (भारः 5.37 प्रतिशत) में नवंबर 2024 की तुलना में 14.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 8.2 प्रतिशत बढ़ा।

बिजली - नवंबर 2025 में बिजली उत्पादन (भारः 19.85 प्रतिशत) में नवंबर 2024 की तुलना में 2.2 प्रतिशत की गिरावट आई। अप्रैल से नवंबर 2025-26 के दौरान इसका संचयी सूचकांक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 0.3 प्रतिशत कम हुआ।

नोट 1ः अक्टूबर 2025 का डेटा अंतिम है। नवंबर 2025 का डेटा अनंतिम है। कोर उद्योगों के सूचकांक क्रमांक स्रोत एजेंसियों से प्राप्त अद्यतन डेटा के अनुसार संशोधित/अंतिम रूप दिए गए हैं।

विभिन्न पीढ़ियों के बीच भावनात्मक, सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने के लिए 'अंतर-पीढ़ीगत संबंधों का उत्सव'

(एजेंसी)।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने अलग-अलग पीढ़ियों के बीच भावनात्मक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने और सक्रिय एवं गरिमापूर्ण बुढ़ापे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 20 दिसंबर 2025 को प्रोग्रेसिव हाइट्स स्कूल, ब्यावरा, जिला राजगढ़, मध्य प्रदेश में "अंतर-पीढ़ीगत संबंधों का उत्सव" कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार; मत्स्य पालन कल्याण और मत्स्य विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मध्य प्रदेश सरकार श्री नारायण सिंह पंवार; कौशल विकास और रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल और राजगढ़ के माननीय सांसद श्री रोडमल नागर मौजूद थे। साथ ही, इस अवसर पर वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और बच्चों के दादा-दादी सहित परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम का मकसद पीढ़ियों के बीच प्यार, संवाद, सहयोग और आपसी सम्मान की भावना को और मजबूत करना था। ऐसी पहल समाज को जोड़ने, मूल्यों और परंपराओं को आगे बढ़ाने और सामूहिक सामाजिक चेतना को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती हैं।

इस कार्यक्रम ने अंतर-पीढ़ीगत जुड़ाव, सामुदायिक भागीदारी और सक्रिय बुढ़ापे को बढ़ावा देकर एक समावेशी और बुजुर्गों के अनुकूल समाज बनाने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को फिर से पक्का किया। इसने इस बात पर जोर दिया कि कैसे वरिष्ठ नागरिकों के अनुभव, ज्ञान और मूल्य, जब बच्चों और युवाओं की ऊर्जा, रचनात्मकता और जिज्ञासा के साथ मिलते हैं, तो एक संतुलित, संवेदनशील और प्रगतिशील समाज बनाने में योगदान देते हैं।

प्रोग्रेसिव हाइट्स स्कूल में कार्यक्रम में अंतर-पीढ़ीगत सद्भाव और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई कई तरह की गतिविधियां शामिल थींः

छात्रों द्वारा नृत्य, संगीत और कलात्मक प्रस्तुतियों सहित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, जो पीढ़ियों के बीच जुड़ाव, बड़ों के प्रति सम्मान और मूल्यों की निरंतरता के महत्व पर मजबूत संदेश देती हैं।

वरिष्ठ नागरिकों के साथ इंटरैक्टिव सेशन, जो उन्हें अपने अनुभव, विचार और इस पहल पर फीडबैक साझा करने का मंच प्रदान करता है, जिससे पीढ़ियों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा मिलता है।

सामूहिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम में, माननीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने सभी उम्र के लोगों को वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान, प्यार और देखभाल बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस शपथ ग्रहण से वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा और भलाई के प्रति साझा जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता की भावना मजबूत हुई।

माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री के नेतृत्व में एक वॉकाथॉन का आयोजन किया गया, जो स्वास्थ्य, एकता और सक्रिय जीवन शैली के प्रति बच्चों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक था। इस वॉकाथॉन ने सामाजिक सद्भाव और सामुदायिक भागीदारी का एक शक्तिशाली दृश्य प्रस्तुत किया।

अपने संबोधन में, माननीय केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री वीरेंद्र कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि वरिष्ठ नागरिक अनुभव, परंपरा और मूल्यों के संरक्षक हैं और वे राष्ट्र की एक अनमोल शक्ति हैं। उन्होंने समुदाय-आधारित पहलों और अंतर-पीढ़ीगत जुड़ाव के माध्यम से सक्रिय, स्वस्थ और गरिमापूर्ण बुढ़ापे को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।

माननीय मंत्री ने मंत्रालय की कई मुख्य पहलों पर प्रकाश डाला, जिनमें राष्ट्रीय वयोश्री योजना (आरवीवाई) शामिल है, जिसके तहत वरिष्ठ नागरिकों को चलने-फिरने, देखने और सुनने से जुड़े सहायक उपकरण दिए जाते हैं, जिससे वे सम्मान के साथ स्वतंत्र और आत्मविश्वास से भरा जीवन जी सकें। उन्होंने बताया कि अब तक देश भर में 7.28 लाख से ज्यादा वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना का फायदा मिला है। एल्डरलाइन 14567 को मजबूत किया गया है, जिस पर 27 लाख से ज्यादा कॉल आई हैं, जो वरिष्ठ नागरिकों को सहायता, मार्गदर्शन और आपात स्थिति में मदद देता है। देश भर में सांस्कृतिक, सामुदायिक और आउटरीच कार्यक्रमों के जरिए अलग-अलग पीढ़ियों के बीच जुड़ाव को बढ़ावा देना और स्कूलों में दादा-दादी दिवस मनाने की व्यवस्था करना।

पंचायत चुनाव की तैयारियां तेज, वर्तमान प्रधान उदास, भावी प्रधानों में उत्साह

पीलीभीत (एजेंसी)।

पंचायत चुनाव की तैयारी शुरू होते ही, भावी प्रत्याशियों की धड़कनें तेज पीलीभीत पंचायत चुनाव की प्रशासनिक तैयारियां शुरू हो गई है 57 लाख बैलेट पेपर पहुंच चुके हैं, जिन्हें सुरक्षित स्थानों पर रखवा दिया गया है, शासन स्तर से अभी तक इसकी तिथियों की घोषणा नहीं की गई है, फिर भी तैयारी अपने चरम पर है

पीलीभीत जनपद में पंचायत चुनाव में अलग-अलग मतपत्र आए हैं, जिसमें ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, और ग्राम पंचायत सदस्य क्षेत्र पंचायत सदस्य, और ग्राम पंचायत सदस्य इन सभी पदों के लिए अलग-अलग रंगो के बैलट पेपर, मंगवाए गए हैं, 57 लाख, 34हजार, से अधिक मतपत्र मांगाये गए हैं इससे एक बात प्रतीत होती है, प्रशासन को लग रहा है कि इस बार मत पत्रों की

खरीदारी अधिक होगी, क्योंकि इस बार प्रत्याशियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद बताई जा रही है, प्रधान प्रत्यासी, व जिला पंचायत सदस्यों द्वारा, अभी से दावतों, पार्टियों का आयोजन, शुरू हो चुका है, कई ग्राम पंचायतों में प्रधान प्रत्यासी, पानी की तरह पैसा, लुटा रहे हैं, उनका एक ही लक्ष्य किसी तरीके से, प्रधानी का चुनाव जीतना चाहते हैं(एजेंसी)। भावी प्रधान प्रत्यासी, सारे नियम कायदे कानून को ताक पर रखकर सारे हथकंडे अपना रहे हैं प्रधानी के चुनाव शुरू होते ही प्रधानों के यहां, कच्ची शराब की सप्लाई शुरू हो जाती है चुनाव शुरू होते ही पुलिस की और भी जिम्मेदारियां बढ़ जाती है

जनपद में बैलेट पेपर आने के बाद अब निर्वाचन कार्यालय

मतपेटियों, बेलेट, बॉक्स की साफ सफाई और मरम्मत के कार्य में, जुट चुका है पीलीभीत जनपद में 7 ब्लॉक है, अमरिया, मरौरी, ललौरीखेडा, बरखेड़ा, बिलसंडा, बीसलपुर, पूरनपुर, में मतदाता केंद्रों का भौतिक सत्यापन भी किया जा रहा है, ग्राम पंचायत प्रधान 721, जिला पंचायत सदस्य 34, क्षेत्र पंचायत सदस्य 900, ग्राम पंचायत वार्ड सदस्य 8900 इन संख्याओं में आंशिक बदलाव भी हो सकते हैं

नकली दवाओं के सेवन से होने वाली मौतों का कोई भी प्रकरण अभी तक उत्तर प्रदेश सरकार के संज्ञान में नहीं है। समय-समय पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा इस बारे में छापेमारी की कार्यवाई की जाती है। कोडीन कफ सिरप से उत्तर प्रदेश में एक भी मौत नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार इस मामले को कोर्ट में लड़ चुकी है जीता भी है। – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी

गैस गीजर से दम घुटा, लव मैरिज करने वाले पति-पत्नी की बाथरूम में मौत; फॉरेंसिक जांच जारी

(एजेंसी)।

पीलीभीत,कोतवाली थाना क्षेत्र के गुरुकुल पुरम कॉलोनी में रविवार देर शाम गैस गीजर से दम घुटने के कारण एक सरकारी कर्मचारी व उनकी पत्नी की मौत हो गई। प्रेम विवाह करने वाले दंपति किराए के मकान में अकेले रहते थे। पड़ोसियों ने सूचना दी, तो पुलिस ने बाथरूम का दरवाजा तोड़कर शव निकाले। अपर एसपी विक्रम दहिया ने पुष्टि की कि फॉरेंसिक व डॉग स्क्वायड जांच कर रहा है।

मृतक हरजिंदर (42) विकास भवन की जिला ग्रामीण विकास एजेंसी (उफ्र्डअ) में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। पत्नी रेनू सक्सेना (40) हाल ही में हाथ की चोट से उबर रही थीं, जिसकी देखभाल पति कर रहे थे। रविवार शाम हरजिंदर रेनू को नहला रहे थे, जब

गीजर चालू था। आशंका है कि गीजर से निकली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस ने ऑक्सीजन खत्म कर दी, जिससे दोनों बेहोश हो गए। कोई संतान न होने से दंपति का प्रेम विवाह चर्चा में था।

सूचना पर कोतवाल सत्येंद्र कुमार की टीम पहुंची। बाथरूम का दरवाजा अंदर से बंद था, तो तोड़कर शव निकाले गए। कॉलोनी में भीड़ लग गई। कोतवाल ने कहा कि प्रारंभिक जांच में दम घुटना कारण लगता है, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए। अपर एसपी ने बताया कि फॉरेंसिक एक्सपर्ट व डॉग टीम साक्ष्य ले रही। पड़ोसियों ने दंपति को शांत स्वभाव का बताया।

गीजर से दम घुटने का खतरा: विशेषज्ञ चेतावनी

गीजर का बर्नर ऑक्सीजन खपत करता है, जिससे कार्बन मोनोऑक्साइड (रंग-गंधहीन जहरीली गैस) बनती है। यह दिल-दिमाग को प्रभावित कर बेहोशी व मौत का कारण बनती। सर्दियों में गीजर उपयोग बढ़ता है, लेकिन पुराने मॉडल में कटऑफ फीचर न होने से खतरा ज्यादा। विशेषज्ञ सलाह देते हैं: गीजर को वेंटिलेटेड जगह लगाएं, ऑटो-कट मॉडल चुनें, लंबे समय तक न चलाएं व नियमित सर्विस कराएं। इससे कई हादसे टल सके

हिंदू महासभा का कलेक्ट्रेट धरना स्थगित, प्रशासन के आश्वासन पर; 20+ मांगों में राम चौराहा नामकरण

(एजेंसी)।

पीलीभीत,अखिल भारत हिंदू महासभा ने 23 दिसंबर को प्रस्तावित कलेक्ट्रेट धरना-प्रदर्शन स्थगित कर दिया। यह निर्णय जिला प्रशासन के ठोस आश्वासनों के बाद लिया गया। संगठन ने जनहित मुद्दों पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन की योजना बनाई थी, लेकिन वार्ता के सकारात्मक परिणाम से तनाव कम हुआ।

सोमवार को जिलाधिकारी व सिटी मजिस्ट्रेट ने कलेक्ट्रेट में महासभा पदाधिकारियों से विस्तृत चर्चा की। प्रशासन ने पूर्व ज्ञापनों पर लंबित कार्रवाई स्वीकार करते हुए शीघ्र जमीनी स्तर पर कदम उठाने का

भरोसा दिलाया। प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव मिश्रा ने घोषणा की कि संगठन प्रशासन के सहयोग का स्वागत करता है।

महासभा ने 20 से अधिक मांगें रखीं। जिलाध्यक्ष पंडित पंकज शर्मा ने बताया कि प्रमुख मांगों में डिग्री कॉलेज चौराहे का नाम 'प्रभु श्रीराम चौराहा' व रामलीला मार्ग का 'प्रभु श्रीराम मार्ग' नामकरण शामिल। अन्य मांगें हैं: ई-रिक्शा रूट निर्धारण, पार्किंग स्थल निर्माण, चाइनीज मांझे पर प्रतिबंध, अतिक्रमण हटाओ अभियान, आवारा गौवंशों के इलाज व रेडियम बेल्ट, नजूल भूमि से अवैध आरा मशीन हटाना, नेपाल कैसिनो जाने वाले युवाओं पर रोक, अवैध स्पा सेंटर व बिना पंजीकरण कोचिंग पर

संदिग्ध परिस्थितियों में मोफलर से लटकता मिला मृतक का शव

(एजेंसी)।

मसौली बाराबंकी। सोमवार की सुबह घर से निकले एक 15 वर्षीय किशोर का शव गांव के बाहर एक चिलवल के पेड़ से संदिग्ध परिस्थितियों में मोफलर से लटकता मिला। मृतक की शिनाख्त थाना क्षेत्र के ग्राम डढियामऊ निवासी बाबू का पुत्र मुजीब उर रहमान के रूप हुई। पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

थाना क्षेत्र के ग्राम डढियामऊ मे दोपहर करीब 3 बजे उस समय हड़कंप मच गया जब गाँव के कुछ बच्चे बकरी चराने के लिए

गाँव के बाहर गये हुए थे तभी पेड़ से लटक रहे शव को देख बच्चे डर गये और चिल्लाते हुए गाँव की और भाग गये बच्चो की सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने मृतक की पहचान बाबू के 15 वर्षीय पुत्र मुजीब उर रहमान के रूप मे की परीजनो ने पहुंचकर पीआरबी और मसौली पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

मृतक के पिता बाबू के अनुसार लडका सोमवार की सुबह घर से निकला था लेकिन घर वापस नहीं हालांकि आसपास तलाश भी किया गया लेकिन कोई जानकारी नही मिली दोपहर करीब करीब 3 बजे बजे गांव के कुछ लड़के बकरी चराने गये थे उनमें किसी की निगाह पेड़ से लटकते शव को देखा । प्रभारी निरीक्षक अमित प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों से मिली सूचना पर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मिशन शक्ति-5 के तहत सेहरामऊ रेलवे स्टेशन पर साइबर सुरक्षा जागरूकता, महिलाओं को कानूनी अधिकारों की दी जानकारी

(एजेंसी)।

पीलीभीत,पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत थाना सेहरामऊ उत्तरी की महिला सुरक्षा केंद्र टीम ने सोमवार को सेहरामऊ रेलवे स्टेशन पर महिलाओं व बालिकाओं को साइबर सुरक्षा व कानूनी अधिकारों पर जागरूक किया। यात्रियों की भीड़भाड़ वाले स्टेशन पर आयोजित इस कार्यक्रम से सैकड़ों महिलाओं ने लाभ उठाया।

टीम ने महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, छेड़छाड़, दहेज प्रताड़ना व बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। आपातकाल में उपयोगी हेल्पलाइन नंबर जैसे 1090 (महिला

हेल्पलाइन), 112 (इमरजेंसी), 181 (महिला हेल्पलाइन) व 1098 (चाइल्डलाइन) के महत्व पर जोर दिया। साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए, महिलाओं को सोशल मीडिया पर सतर्क रहने, अनजान कॉल व लिंक से दूर रहने, ओटीपी शेयर न करने व संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को देने की सलाह दी।

पुलिस टीम ने अपील की कि उत्पीड़न या समस्या में झिझक न करें, तुरंत संपर्क करें। अभियान से महिलाओं में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा, और उन्होंने पुलिस की पहल की सराहना की। एसपी ने कहा कि जिले भर में ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे, ताकि महिलाएं सशक्त हों।

बंग्लादेश में हिंदू समुदाय के व्यक्ति की निर्मम हत्या के विरोध में पीलीभीत में हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने बंग्लादेश के प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया

(एजेंसी)।

पीलीभीत,बंग्लादेश में हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति की निर्मम हत्या के विरोध में हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने सोमवार को शहर में बंग्लादेश प्रधानमंत्री शेख हसीना का पुतला दहन किया। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने "बांग्लादेश मुदार्बाद" के जोरदार नारे लगाए और पुतले को लातों से पीटा। सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा।

प्रदर्शन शहर के मुख्य बाजार में आयोजित किया गया। महासभा के जिलाध्यक्ष ने बताया कि बंग्लादेश

सरकार द्वारा हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ यह विरोध दर्ज कराया गया। पीड़ित व्यक्ति की हत्या को सांप्रदायिक रंग देकर चित्रित करते हुए, उन्होंने बंग्लादेशी सरकार से दोषियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की अपील भी की।

पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन सुनिश्चित किया। एसपी ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए फोर्स तैनात था। हिंदू महासभा ने कहा कि यदि बंग्लादेश में हिंसा न रुकी, तो आंदोलन तेज होगा। स्थानीय हिंदू संगठनों ने समर्थन जताया।

55वें सालाना उर्स के मौके पर 'नन्हे सितारों का टैलेंट शो' ने दर्शकों को कर दिया मंत्रमुग्ध

(एजेंसी)।

मसौली बाराबंकी । मसौली थाना क्षेत्र के कस्बा त्रिलोकपुर स्थित हजरत आकि ल शाह रह0 की मजार शरीफ पर चल रहे 55वें सालाना उर्स के मौके पर 'नन्हे सितारों का टैलेंट शो' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मदरसा हाफि जुल उलूम त्रिलोकपुर द्वारा प्रस्तुत इस कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

भीषण ठंड के बावजूद, हजारों की संख्या में दर्शक कार्यक्रम देखने पहुंचे और बच्चों की हर प्रस्तुति पर तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चों ने भी मंच पर अपने हुनर का जलवा बिखेरते हुए 'इल्म, अमल और अदब' का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इस्लामिक और जनरल नॉलेज क्विज रहा। इसमें दर्जनों बच्चों ने सटीक उत्तर देकर 21 हजार रुपये

के नकद पुरस्कार जीते। यह आयोजन 21 दिसंबर की शाम 7 बजे शुरू हुआ और हर पल रोमांच से भरा रहा। सम्मान समारोह में दो बच्चों को 'हाफि ज' बनने और 23 बच्चों को कुरआन मुकम्मल करने पर सम्मानित किया गया। उन्हें कुरआन-ए-पाक भेंट कर फूल-मालाएं पहनाई गईं।

इस टैलेंट शो में नात, हम्द, तकरीर, कुरआन व हदीस पाठ, इस्लामिक क्विज, जनरल नॉलेज, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन जैसी विभिन्न प्रस्तुतियां शामिल थीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी दिए गए।

मंच पर दहेज लोभी, बेहूदी रस्में, सास-बहू के झगड़े, रिश्ते तोड़ने वालों के अंजाम, कड़वी मगर सच्ची बातें, नसीहतें, रोचक जानकारियां, हास्य और जादू जैसे विषयों को जीवंत किया गया। यह 'नन्हे सितारों का टैलेंट शो' केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि समाज को दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण संदेश बनकर उभरा। इस आयोजन ने यह साबित कर दिया कि उचित मंच मिलने पर बच्चे अपनी प्रतिभा से कुछ भी हासिल कर सकते हैं।

प्रतिष्ठानों में रसोई गैस का अवैध दुरुपयोग–नियमों का खुला उल्लंघन, हादसों का खतरा मंडराया; जिले भर में फैली यह समस्या

(एजेंसी)।

पीलीभीत ।जिले के छोटे-बड़े प्रतिष्ठानों में रसोई गैस के अवैध उपयोग की समस्या मकर जल की तरह फैल चुकी है। खाद्य सुरक्षा व पेट्रोलियम नियमों के अनुसार, व्यावसायिक स्थानों पर केवल कमर्शियल सिलेंडर का प्रयोग अनिवार्य है, लेकिन चाय की दुकानों, चाट-पकौड़े ठेलों, रेस्तरां व बड़े होटलों में खुलेआम घरेलू रसोई गैस का इस्तेमाल हो रहा है। दुकानदार दिखावे के लिए कमर्शियल सिलेंडर सामने रख देते हैं, जबकि पीछे रसोई गैस से खाना बनाते हैं। इससे गैस रिसाव व आगजनी के हादसे बढ़ रहे हैं।

हाल ही में जिले में एक अवैध गैस रिफिलिंग का मामला सामने आया, जहां मारुति वैन में आग लग गई थी। इस घटना ने प्रशासन को झकझोर दिया, घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग निषिद्ध है। उल्लंघन करने वालों पर कैद व जुमार्ना लग सकता है। जिले के बाजारों—जैसे बरेली रोड, पुरानी कोतवाली क्षेत्र व बीसलपुर—में सैकड़ों ठेले व दुकानें इस नियम तोड़ रही हैं। कभी सिलेंडर खुले में रखे जाते हैं, तो कभी रसोई के पास छिपाकर उपयोग किया जाता है।

खाद्य सुरक्षा विभाग व पुलिस की लापरवाही से समस्या बढ़ रही है। एक स्थानीय दुकानदार ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "कमर्शियल गैस महंगी है, इसलिए रसोई गैस सस्ती पड़ती है। छापे कम पड़ते हैं, तो डर नहीं।" इससे न केवल सरकारी राजस्व का नुकसान हो रहा, बल्कि ग्राहकों व कर्मचारियों की जान को खतरा है। पिछले वर्ष जिले में दो आगजनी घटनाएं रसोई गैस रिसाव से हुईं, जिसमें दो लोग झुलस गए।

प्रशासन ने चेतावनी जारी की है कि सख्त छापेमारी होगी, लेकिन जमीनी स्तर पर अमल नदारद। विशेषज्ञों का कहना है कि जागरूकता अभियान व नियमित निरीक्षण से समस्या हल हो सकती है। एसडीएम व खाद्य निरीक्षक को निर्देश दिए गए हैं, लेकिन कार्यकर्ता संगठनों ने मांग की है कि तत्काल अभियान चलाया जाए। जिले में कमर्शियल गैस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी पर विचार हो।

यह मुद्दा जिले की सुरक्षा व अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा। यदि समय रहते कार्रवाई न हुई, तो बड़े हादसे का अंदेशा है। (सुरक्षा सुनिश्चित करें!)

भारतीय किसान मंच द्वारा अमेठी एवं लखनऊ के जिलाध्यक्षों की नियुक्ति

(एजेंसी)।

लखनऊ। 21 दिसंबर, 2025 को कल भारतीय किसान मंच कार्यालय पर संगठन की मजबूती हेतु अहम निर्णय लेते हुए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की गई। भारतीय किसान मंच के प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ पासी द्वारा मारूफ अहमद को अमेठी का जिलाध्यक्ष और विनीत कोहली को लखनऊ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर भारतीय गौ सेवा परिषद एवं भारतीय किसान मंच के राष्ट्रीय

अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। भारतीय किसान मंच कार्यालय पर राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में यह नियुक्तियाँ संपन्न हुईं।

प्रदेश अध्यक्ष ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देश दिया कि वे तत्काल प्रभाव से संगठन की गतिविधियों को अपने-अपने जिलों में गति दें। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।